वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 82 | गुरुवार 20 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अंगदान को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय

प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में बनेगी ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी

जयपुर. कासं

प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा देने एवं ऑर्गन ट्रांसप्लांट संबंधी सेटअप सहित अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के सम्पादन हेतु प्रत्येक राजकीय मेडिकल कॉलेज में ऑर्गन ट्रांसप्लांट समितियां बनायी जाएगी। इन समितियों में अंगदान के क्षेत्र में कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं को भी शामिल किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट एवं कॉर्नियां ट्रांसप्लांट के संबंध में बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजकीय अस्पतालों में सम्पादित हुए ऑर्गन डोनेशन के बाद प्राप्तकर्ता की एक वर्ष तक सभी प्रकार की फोलोअप जांचें निःशुल्क किए जाएंगे। इन फोलोअप जांचों पर होने वाले व्यय का वहन संबंधित आरएमआरएस के माध्यम से किया जाएगा। शुभ्रा सिंह ने कहा कि स्टेट ऑर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाईजेशन (सोटो) संबंधित चिकित्सकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक वार्षिक कैलेंडर जारी करेगा। इस कैलेंडर के तहत वर्तमान में संचालित सभी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत व अन्य चिकित्सकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि नवीनतम जानकारी मिल सके। साथ ही उन्होंने एसएमएस अस्पताल में क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया एवं ऑर्गन ट्रांसप्लांट का एक अलग से विभाग पुनः शुरू करने की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने नेत्रदान को बढ़ावा देने हेतु एसएमएस मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष को कैरेटोप्लास्टी प्रशिक्षण अगस्त माह में शुरू करने के लिए निर्देश दिए। अन्य मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षित चिकित्सक दूसरे चिकित्सकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। उन्होंने नेत्रदान एवं अंगदान को बढ़ावा देने के लिये आठवीं कक्षा में इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ करने के भी निर्देश दिए। बैठक में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, संयुक्त कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी डॉ. गौरव सैनी, आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा, उपाध्यक्ष कपिल गर्ग, सचिव ललित कोठारी, सोटो के डॉ. अमरजीत मेहता, संयुक्त निदेशक अंधता निवारण डॉ. सुनील सिंह, एवं मोहन फाउंडेशन के प्रतिनिधिगण भी मौजूद थे।

आवासन मंडल ने बेहतर पैरवी से पाया 65 करोड़ की भूमि पर स्वामित्व

दो दशक से भी अधिक पुराने मामले में मंडल को मिला 6350 वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा

जयपुर. कासं। राजस्थान आवासन मंडल ने उच्च न्यायालय में बेहतर पैरवी कर दो दशक से भी पुराने चल रहे मामले में जीत हासिल की और लगभग 65 करोड़ राशि की 6350 वर्ग मीटर बेशकीमती भूमि का स्वामित्व हासिल कर लिया है। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मण्डल की सम्पत्ति आवंटन समिति ने वर्ष 2001 में महात्मा ज्योतिबाफुले राष्ट्रीय संस्थान को मानसरोवर आवासीय योजना जयपुर के सैक्टर-5 में सामुदायिक विकास केन्द्र के निर्माण के लिए 6350 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की। संस्था को भूमि के आवंटन पत्र प्राप्त करने के लिए 50 लाख 60 हजार 633 रुपए की राशि तीन माह में जमा करवानी थी। संस्था द्वारा बार बार नोटिस देने के बावजूद राशि जमा नहीं कराई गई। अरोड़ा ने बताया कि आवंटन राशि जमा नहीं करवाने पर वर्ष 2004 में संस्था को आवंटित भूमि का आवंटन निरस्त कर जमा 2 प्रतिशत राशि जब्त कर ली गई। इस पर संस्था ने मण्डल के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और 2007 में स्थगन ले लिया। मंडल द्वारा बेहतर पैरवी करने पर उक्त अपील में उच्च न्यायालय द्वारा 11 जुलाई को 2023 को निर्णय पारित कर अपील खारिज कर दी गई, जिससे मण्डल की भूमि से स्थगन आदेश हट गया और लगभग 6350 हजार वर्ग मीटर भूमि (लागत लगभग 65 करोड) मण्डल के स्वामित्व में आ गई।

हाई कोर्ट ने डीजीपी को किया तलबः नाबालिग लड़की को नहीं खोज पाने के कारण 25 को पेश होने के दिए आदेश

जयपुर

नाबालिग लड़की को एक साल 4 माह में भी नहीं खोज पाने के कारण राजस्थान हाई कोर्ट ने डीजीपी उमेश मिश्रा को व्यक्तिगत रूप से हाई कोर्ट में हाज़िर होने के आदेश दिए हैं। डीजीपी को 25 जुलाई को जस्टिस पंकज भंडारी की खंडपीठ में पेश होना होगा। दरअसल अलवर जिले के हरसोरा थाने में 29 मार्च 2022 को नाबालिग के पिता ने अपनी बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। जिस पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके बाद नाबालिग के पिता ने मई 2022 में हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने इस मामले में अलवर एसपी से लेकर एडीजी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग को व्यक्तिगत रूप से हाई कोर्ट में बुलाकर दिशा निर्देश दिए। लेकिन उसके बाद भी पुलिस नाबालिग लड़की को खोजकर कोर्ट में पेश नहीं कर सकी। इस पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने 25 जुलाई को डीजीपी को पेश होने के निर्देश दिए है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर इस दौरान लड़की को खोज लिया जाता है तो डीजीपी को पेश होने की आवश्यकता नहीं होगी।

पुलिस ने नहीं किए गंभीर प्रयास

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सतीश कुमार ने बताया कि इस पूरे मामलें में हाई कोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने नाबालिग बच्ची को खोजने के लिए कभी गंभीर प्रयास किए ही नहीं। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए हाई कोर्ट ने यहां तक कहा था कि अगर यह किसी रसूखदार व दबंग व्यक्ति की बेटी होती तो पुलिस इसे अब तक खोजकर ले आती।

लोक कल्याण की भावना जिसके पास रहती है उसका कल्याण निश्चित है : आचार्य श्री

पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने लिया आचार्य श्री आशीर्वाद

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। लोक कल्याण की भावना जिसके पास रहती है उसका कल्याण निश्चित है उदारता से आपका विकास होगा उदार व्यक्ति किसी के प्रति ईर्ष्या मातर्सय से दूर रहता है वह सबके कल्याण की भावना करते हैं। अपने अंदर ऐसी उदारता लायें उदार होने से कोई हानि नहीं है आज तो अचेतन भी अच्छा चीजें सिखा रहा है आप तो चेतन आत्मा है गुगल में सब भरा है लेकिन आपको वह सब कुछ समझाने की कोई राशि नहीं ले रहा उदार व्यक्ति को जगत में श्रेष्ठ माना जाता है हम लोग तो किसी से कोई गलती हुई तो उसको नीचा दिखाने में पीछे नहीं रहते ये उदारता नहीं है उदार व्यक्ति सबको शरणं देते हैं उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए। इसके पहले कल शाम को मध्य प्रदेश के पूर्व केविनेट मंत्री जयवर्धन सिंह सुभाष गंज में विराजमान आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के दर्शनार्थ सुभाषगंज पहुंचे और आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जैन समाज के मंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, थूवोनजी के महामंत्री विपिन सिंघाई, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, संयोजक उमेश सिघई , अजित वरोदिया, नितिन बज ,धर्मेन्द्र रोकड़िया ,गिरीष अथाइखेडा, सुलभ अखाई, प्रदीप तारई आदि ने तिलक श्री फल पीत वस्त्र से अभिन्दन किया । इस दौरान कमेटी महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि कर्नाटक में जो घटना घटी उससे जैन समाज आहत हैं और इसके दोषियों को शीघ्र सजा मिले। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री हमारे वीच पधारें है हम आपका स्वागत करते हैं पूर्व में आपके परिवार द्वारा हमेशा धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेकर अहिंसा धर्म को प्रभावना में सहभागिता देते रहे हैं

जैन मुनि जो त्याग तपस्या करते हैं ऐसा अन्य देखने में नहीं आता : पूर्व मंत्री

इस अवसर पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि आज मैं भी आचार्य जी की पाठशाला में हाजिर हुआ हूं असली शिक्षा चहिए तो जैन समाज के महाराज जी के पास पहुंच जाओ आज का समय बहुत आधुनिक हो गया है फिर भी आज जो तपस्या जैन संत करते हैं वैसी कहीं देखने को नहीं मिलती मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज राघौगढ़ पधारें थे तव से हम जुड़े हैं वहां बहुत काम हो रहे है वहां सुधासागर धाम वन रहा है उन्होंने हमें बहुत आशीर्वाद दिया आज आपके दर्शन का सौभाग्य मिला मुझे पूरा विश्वास है कि आपका दिशा निर्देश हमको मिलता रहेगा मैंने हमेशा से माना कि सबसे शिक्षित और जागरूक जैन समाज है और ये बात पूरा देश जानता है लेकिन ये वात कम लोग जानते हैं कि सबसे ज्यादा गौसेवा भी जैन समाज करता है सबसे आगे हैं हमारे आसपास बहुत सारी गौशालाओं का संचालन किया जा रहा है मेरी जिम्मेदारी रहेगी कि जीवित पशुओं के निर्यात करने की नीति पर विराम लगे अभी जो कर्नाटक की घटना हुई से मन बहुत दुखी हुए हम उसको कभी सुइकार नहीं करेंगे सरकार वहां बहुत तेजी से कार्यवाही कर रही संतों की सुरक्षा को प्राथमिकता से सरकार को लेना चाहिए।

परोपकार के लिए प्रकृति सभी को समान रूप से सब कुछ देती हैं: आचार्य श्री

इस अवसर पर सभी को आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि परोपकार के लिए प्रकृति हम जल प्रदान करती है वृक्ष को पत्थर मारे तो भी वह फल देते हैं हम देखते हैं हमें भी परोपकार करने आगे रहना चाहिए देखो राज परिवार में जन्मे व्यक्ति भी जनता की सेवा में समर्पित रहने हैं धन दौलत होने पर ये सब कुछ कर रहे हैं ये सेवा भाव होने पर ही सम्भव है ये धरा नारायण श्रीकृष्ण महावीर श्री राम जैसे महापुरुषों की जन्म भूमि है ऐसी पवित्र भूमि पर आज पशु धन को काटा जा रहा है सरकार को इसे रोकना चाहिए आप लोग राजनीति है इस तरह का काम करें जिससे गौमाता सुरक्षित रहे उन्होंने कहा कि ये लोग धन कमाते हैं और अच्छे-अच्छे कार्यों में लगाने में पीछे नहीं रहते हमारा देश अहिंसा प्रधान है महात्मा गांधी ने अहिंसा के द्वारा देश को आजादी दिलाई आज उसी देश में पशुधन की देखभाल की आवश्यकता है। इस दौरान चन्देरी विधायक गोपाल सिंह चौहान नेता प्रतिपक्ष रीतेश जैन आजाद गिरीष अथाइखेडा अनीता जैन आदि भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

जैन संत की हत्या के विरोध में बैठक

विराटनगर बंद का आव्हान

विराटनगर. शाबाश इंडिया। गत दिनों कर्नाटक के चिकोड़ी ग्राम में अज्ञात बदमाशों द्वारा दिगंबर जैन आचार्य 108 मुनि काम कुमार नंदी की जघन्य हत्या करने के विरोध में बुधवार को कस्बा स्थित सकल जैन मंदिर प्रांगण में सकल जैन एवं सर्व समाज व्यापारियों की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में उपस्थित लोगों ने जैन संत की निर्मम हत्या को लेकर उनके प्रति 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तथा गुरुवार को संपूर्ण विराटनगर बंद रखने का सामूहिक निर्णय लिया गया। मुख्य व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रतीक शर्मा, गणगौरी चौक व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने बताया कि जैन मुनि की हत्या को लेकर स्थानीय जैन सकल समाज एवं सर्व समाज के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने, जैन तीर्थ स्थलों की सुरक्षा, सकल जैन समाज के संरक्षण के लिए हर राज्यों में राष्ट्रीय कल्याण बोर्ड का गठन करने, जैन संतों के पैदल विहार पर सुरक्षा उपलब्ध करवाने सहित अनेक मांगों को लेकर गुरुवार को राष्ट्रपति के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में अशोक जैन, कुंथुनाथ श्वेतांबर जैन तीर्थ ट्रस्ट के सचिव अजय जैन, निर्मल जैन, दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष संतोष जैन, ओम प्रकाश जैन, रतन जैन, बंशीधर सैनी, हीरालाल सैनी, संजय बांस वाला, संतोष जैन, ओमप्रकाश श्रीमाल, पदम जैन, अभिनंदन जैन सहित जैन सकल समाज एवं सर्व समाज सभी व्यापार मंडल के प्रमुख लोग मौजूद थे। इस संबंध में सभी व्यापारियों से संपर्क कर बंद में सहयोग मांगा गया, जिस पर सभी ने बंद का समर्थन किया। बैठक में दिगंबर जैन मंदिर के सचिव विनोद जैन भी मौजूद थे

कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स राजस्थान व्यापारिक सम्मेलन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स राजस्थान के महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि दिनांक 20 जुलाई गुरुवार को दोपहर 2 बजे राजस्थान चेम्बर आफ कामर्स भवन, एम आई रोड पर कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स जयपुर द्वारा व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन रखा गया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल व्यापारिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे । वाटसअप के माध्यम से रिटेल व्यापारी बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के अपने व्यापार में गुणात्मक वृद्धि कर सकते है इस पर इस सम्मेलन में बंबई की वाटसअप टीम अपना प्रजेंटेशन देगी। राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के नवनियुक्त-निदेशक सुभाष गोयल का केट टीम द्वारा स्वागत किया जायेगा। जयपुर केट के ज़िलाध्यक्ष सचिन गुप्ता व महामंत्री विक्की चैलानी ने बताया कि व्यापारिक सम्मेलन में जयपुर के विभिन्न बाजार मण्डल,सभी व्यापारिक संगठन,उद्योग व व्यापारिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि व महिला उद्यमी आमंत्रित किये गये हैं। सम्मेलन मे व्यापारिक हितों से संबंधित प्रस्तावों पर भी राष्ट्रीय महामंत्री के सामने चर्चा होगी।

धर्म तभी सुरक्षित रह सकता है, जब संत सुरक्षित होंगे: साध्वी प्रीतीसुधा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

शास्त्री नगर, भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। संत समाज और देश की धरोहर है। बुधवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर में प्रखर वक्ता साध्वी प्रीतिसुधा ने कर्नाटक में दिगम्बर आचार्य नंदी महाराज के जघन्य हत्या कांड पर रोष प्रकृट करते हुए कहा कि संत कि पंथ और समुदाय का नही होता वह सबका हित चाहता है। धर्म तभी सुरक्षित रह सकता है जब हमारे संत सुरक्षित होगे। वरना संतो की सुरक्षा करना समाज और सरकार कर्तव्य भी बनता है अगर संतो कि सुरक्षा नही कर सकते है तो देश की सुरक्षा कैसे होगी। धर्म को बचाना है तो संतो की सुरक्षा करना भी सरकार का धर्म है। बिना संतो के मनुष्य को धर्म का मार्ग नही मिलने वाला है। इस दौरान अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, अशोक पोखरना, हेमन्त आंचलिया, सुशील चपलोत रिखबचंद पीपाड़ा, संदीप छाजेड़, अमर सिंह संचेती, अमर बाबेल आदि पदाधिकारीयो और चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल, मंजू बाफना, उमा आंचलिया, अंजना सिसोदिया और पूर्वसभापति मंजू पोखरना आदि सभी ने दिगम्बर आचार्य नंदी जी महाराज की हत्या पर निंदा करते हुए हत्यारे को गिरफ्तार करके कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का सरकार को पत्र भेजा और देश बंद का आह्वान किया।

महिला सशक्तिकरण शिविर का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। रामगढ़ पुनः स्थापन केन्द, संचालित अधीन सार्थक मानव कुष्ठाश्रम, द्वारा ग्राम ड्योडा चोड़, तहसील बस्सी में नये महिला सशक्तिकरण शिविर का शुभारम्भ किया गया। इस केंद्र से 30 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर होगी। अब तक इस केंद्र द्वारा 73 गांव एवं ढाणियों की महिलाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। उद्घाटन समारोह में रामफूल प्रजापत, सरपंच, ग्राम पंचायत, राम रतनपुरा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में हनुमान बंदावला, संस्था अध्यक्ष सुरेश कौल, गाँव की लाभान्वित होने वाली महिलाएं, संस्था के पदाधिकारी एवं गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस केंद्र से लाभान्वित होने वाली युवा महिला मोनिका शर्मा ने बताया कि सार्थक मानव कुष्ठ आश्रम द्वारा शुरू किया गया प्रयास महिलाओं के लिए बहुत ही अधिक लाभदायक सिद्ध होगा तथा महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होगी। संस्था अध्यक्ष सुरेश कौल ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था आपके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। आपने गरीब महिलाओं को यथा संभव मदद के लिए भी आश्वस्त किया। संस्था के प्रबन्धक मुकेश शर्मा ने ने बताया कि संस्था द्वारा आसपास के गाँवो की महिलाओं के लिए शुरू किये गये महिला सशक्तिकरण शिविर उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। अन्त में शिविर संचालक गौतम मीणा ने धन्यवाद प्रेषित किया।

भागवत कथा में धूमधाम के साथ मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बे के मोदी कॉलोनी स्थित शिवालय मंदिर पर चल रही विशाल भागवत कथा के चौथे दिन वृंदावन धाम के आचार्य अनंत शरणजी महाराज ने अपने मुखारविंद से भागवत कथा मे भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव का विस्तार से वृतांत सुनाया व जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के

साथ मनाया गया। आचार्य श्री ने कहा की कथा श्रवण से मन व आत्मा को शांति मिलने के साथ ही भगवान की प्राप्ति होती है। व भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहां की नियमित रूप से कथा का श्रवण करने से सभी पापों का नाश होता है वह कलयुग में राधे राधे नाम का जाप ही मोक्ष तक पहुंचने का सबसे बड़ा साधन है। बीच-बीच में कथावाचक द्वारा गाए गए भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण जी वह नंद बाबा की सजीव झांकी सजाई गई। आयोजन समिति के श्री लाडली जी संगम के कार्यकर्ता तरुण कुमार बंटू गोयल अंकुर बेनीवाल निखिल गुप्ता प्रवीण सैनी पवन सैनी संजय शर्मा पूरणमल श्याम शर्मा दीपक गुप्ता सहित हजारों की संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

सत्य ईश्वर प्रदत्त दिव्य शक्ति

सत्य ईश्वर प्रदत्त वह दिव्य-शक्ति है जिसे सांसारिक एषणाओं की कोई भी तीव्रतर व दृढ़तम तलवार काटने का साहस नहीं कर सकती। सत्य वह कवच है जिस पर झूठ, फरेब, अनास्था, अनाचार, कुविचार, पाप, पश्चाताप, वैमनस्य और ईर्ष्या के दुर्ग सहज रूप में टकराकर बुर्ज-बुर्ज हो जाते हैं। सत्य कहना और सहना दोनों ही कठिन है। सत्य अकेले होते हुए भी सत्ता का स्वामी होता है। सत्य कहने और सहने वाले व्यक्ति का जीवन भले ही स्वयं के लिए कंटकाकीर्ण व तमस भरा हो, लेकिन दूसरों के लिए चरित्र, आदर्श व स्थापनाओं का मार्ग प्रशस्त कराते हुए वह ज्ञानपुंज बनकर दिशा-दृष्टि प्रदान करता है। शतपथ ब्राह्मण में कहा गया है कि सत्यमेव देवा (सत्य ही देवता है)। सत्य ही तप व साधना की सीढ़ियों से मार्ग प्रशस्त करता हुआ आस्था, विश्वास का रज्जुमार्ग बन देव दरबार तक पहुंचाने का एक गारंटीशुदा दीपस्तंभ है। असत्य तत्काल स्वार्थ की पूर्ति कराकर क्षणिक सुख का स्वामी बना देता है, लेकिन दीर्घकालिक दुख, क्षोभ, यातना व संत्रास झोली में डाल देता है। सत्य का अनुसरण चाहे अनुभूति व अभिव्यक्ति तक क्षणिक या कटु दंश देता हो, फिर भी उसका फलागम शाश्वत आनंद की अनुभूति व हर्ष का चिरंतन उत्कर्ष है। सत्य साक्षात देवसत्तात्मक है। वह संख्यात्मक की अपेक्षा गुणात्मक व दीर्घकालिक होता है। विचारक व गणितज्ञ पाइथागोरस का मानना है कि सत्य प्रभु की आत्मा और प्रकाश उसकी देह है। असत्य के मार्ग पर चलने वाला नृप या नेता अक्षौहिणी सेना के साथ भी स्वयं को भयाक्रांत व अकेला महसूस करता है। सत्याचरण करने वाला व्यक्ति अकेला रहता हुआ भी स्वयं को सर्वशक्तिमान महसूस करता है। सत्य अपने मूल में विजय की प्रत्याशा लेकर पैदा होता है। मुंडकोपनिषद् के अनुसार सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं। असत्य के दुर्जेय पर्वत भी सत्य का बाल-बांका नहीं कर सकते, लेकिन सत्य का एक धधकता अंगारा भी अपरिमित सत्ता समेटे दुर्ग शृंखला को पल में भस्मीभूत करने की सामर्थ्य रखता है। सत्य के मित्र भले ही न्यूनतम हों, लेकिन वे अपराजेय हैं। असत्य वृद्ध होकर जन्म लेता है, जबकि सत्य आजन्म जर्जर या वृद्ध नहीं होता। सत्य प्रभु व प्रभुता का पर्याय है।

संपादकीय

कारोबार जगत में वैश्विक स्तर पर उतार-चढ़ाव

अब यह जगजाहिर है कि पिछले कुछ सालों के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत के प्रभाव में विस्तार हुआ है और दुनिया के कई देश कूटनीति से लेकर कारोबार के मोर्चे पर भारत के साथ साझेदारी की नई राह तलाश रहे हैं। पिछले हफ्ते भारत और संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के बीच हुए समझौते को इसी क्रम में देखा जा सकता है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्रा में कारोबार पर सहमति बनी है। हालांकि इस दिशा में पहलकदमी के प्रयास पहले से चल रहे थे और उम्मीद थी कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों और बदलते समीकरण के बीच भारत और यूएई इस मामले में कोई ठोस कदम उठाने जा रहे हैं। लेकिन इसी क्रम में प्रधानमंत्री की यूएई की ताजा यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच अपनी अपनी मुद्रा में कारोबार को बढ़ावा देने पर हुआ करार अब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक नया अध्याय रच सकता है। इस समझौते के महत्त्व को प्रधानमंत्री ने खुद भी रेखांकित किया कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास को दर्शाता है।

गौरतलब है कि पिछले साल व्यापक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से भारत-यूएई व्यापार में बीस फीसद की बढ़ोतरी देखी गई। अब ताजा समझौते के अमल में आने का प्रत्यक्ष असर यह होगा कि भारत और यूएई में आपसी कारोबार में बढ़ोतरी के साथ-साथ लेनदेन और भुगतान में कम समय लगेगा और आयातकों-निर्यातकों को डालर का इंतजाम किए बिना भुगतान करने में सुविधा होगी। इसके अलावा, मुद्रा बाजार में रुपए और दिरहम में निवेश करने का विकल्प भी खुलेगा और पर्यटन सुविधाजनक होगा। कहा जा सकता है कि जिस दौर में अमेरिका अपनी मुद्रा डालर के प्रभाव के बूते वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव कायम रखे हुए है, उसमें भारत और यूएई के बीच अपनी अपनी स्थानीय मुद्रा में कारोबार पर बनी सहमति कूटनीति स्तर पर एक नया परिदृश्य रचेगा। दरअसल, अमेरिकी डालर के वर्चस्व की वजह से पहले से ही कुछ देशों की ओर से कारोबार के मोर्चे पर नए समीकरण खड़ा करने की कोशिश चल रही है। कुछ बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश वैश्विक स्तर पर कारोबार के ढांचे में अमेरिकी डालर का विकल्प तलाश रहे हैं। इसमें खासतौर पर रूस, चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। यहां तक कि बांग्लादेश जैसे छोटे एशियाई देश भी आपस में व्यापार के लिए स्थानीय मुद्रा को तरजीह दे रहे हैं। यह छिपा नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कारोबार जगत में कई स्तर पर उतार-चढ़ाव चल रहे हैं। एक समय डालर पर निर्भर दुनिया अब नए विकल्पों का रुख कर रही है। इसका कारण संभवतः यह हो सकता है कि हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशों के अलग-अलग ध्रुव खड़े हो रहे हैं और उसी मुताबिक आर्थिक जगत में भी नया स्वरूप तैयार हो रहा है। इसमें भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। रूस से तेल खरीदने के लिए भारत और यूएई दिरहम और रूबल का उपयोग कर रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कारों की सुरक्षा

जब भी कोई बड़ा सड़क हादसा होता है, तो इस विषय पर चर्चा होती है, फिर जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहता है। मगर अब सरकार ने कारों में सुरक्षा मानकों को लेकर सख्ती बरतने का मन बना लिया है। इसके लिए नई कार मूल्यांकन कार्यक्रम यानी एनसीएपी लागू किया गया है। इस कदम का सभी भारतीय कार उत्पादक कंपनियों ने स्वागत किया है। माना जा रहा है कि इससे सुरक्षित कारों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। यह न केवल भारतीय उपभोक्ता की दृष्टि से, बल्कि निर्यात की दृष्टि से भी लाभकारी कदम साबित हो सकता है। भारतीय कारें न केवल अपने देश में बिकती हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर दूसरे देशों में भी इन्हें भेजा जाता है। ऐसे में भारतीय कारें अगर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हैं, तो विदेशी कंपनियों की कारों से भी प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनिया में सबसे जोखिम वाला देश है। ऐसे में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों पर भी काबू पाने में मदद मिलेगी। मगर देखना है कि भारतीय कंपनियां सुरक्षा मानकों का कितना पालन करती हैं। हालांकि भारत में अब कई विदेशी कार निर्माता कंपनियों ने अपना कारोबार फैला लिया है। उन्हें यहां कार निर्माण की इजाजत देने के पीछे मकसद यही था कि उनके आने से कार बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू होगी और भारतीय कारों की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। मगर विदेशी कंपनियों ने भी कई मामलों में बाजार के वही नुस्खे आजमाने शुरू कर दिए, जो भारतीय कार निर्माता कंपनियां आजमाती आ रही हैं। दरअसल, कार खरीदने में भारतीय उपभोक्ता की मानसिकता एक बड़ा कारण है, जिसके चलते कार निर्माता कंपनियों ने सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। ज्यादातर भारतीय उपभोक्ता कार या तो इस मानसिकता से खरीदता है कि उसे कहीं आने-जाने में आसानी होगी या फिर अपनी हैसियत प्रदर्शित करने की मानसिकता से खरीदता है। सुरक्षा मानकों की पड़ताल बहुत कम ग्राहक करते हैं। फिर कंपनियां भारतीय उपभोक्ता की क्रयशक्ति का आकलन करती हैं और विभिन्न आयवर्ग को ध्यान में रख कर कारें बनाती हैं। इस लिहाज से कम और मध्यम आयवर्ग को ध्यान में रख कर बनाई जाने वाली कारों में आमतौर पर सुरक्षा मानकों के साथ समझौता देखा जाता है। हालांकि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के आकड़े को ध्यान में रखते हुए छोटी से छोटी कार में भी एअर बैग की अनिवार्यता कर दी गई है। मगर इतने भर से सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह भारतीय कार बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, कारों की खरीदारी भी बढ़ी है, सड़कें तेज रफ्तार गाड़ियों के अनुकूल बनने लगी हैं, मगर सड़क हादसों पर लगाम लगा पाना बड़ी चुनौती है। इस लिहाज से कारों में सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन समय की मांग है। पर कार निर्माता कंपनियों के सामने यह चुनौती होगी कि वे सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए भी किस तरह कारों की कीमतों को सामान्य उपभोक्ता की पहुंच में बनाए रख पाती हैं। एअर बैग जैसे कुछ सुरक्षा सुविधाओं की अनिवार्यता लागू होने के बाद पिछले कुछ सालों में छोटी कारों की कीमतें भी एकदम से ऊपर चली गईं। ऐसे में अगर उनके कांच, बुनियादी ढांचे आदि की मजबूती पर खर्च बढ़ता है तो जाहिर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी। इसमें वे कैसे संतुलन साधती हैं, देखने की बात है।

भगवान व्यापारी नहीं हैं उनसे कुछ मत मांगो, मांगना है तो आशीर्वाद मांगते हुए भावना भाओ कि मेरा मुझ से मिलन करा दो:आचार्य श्री विहर्षसागरजी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। राष्ट्रसंत आचार्य श्री विहर्षसागरजी महाराज ने मोदी जी की नसिया में बुधवार को सम्यक दर्शन पर प्रवचन देते हुए कहा कि सम्यक दृष्टि और मिथ्या दृष्टि दो प्रकार के लोग होते हैं। सम्यक दृष्टि जीव देव शास्त्र गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा रखते हुए शंका नहीं करता, साधु साधु में भेद नहीं करता। उसका उठना, बैठना खाना-पीना, बोलना ,देव दर्शन करना सब आगम के अनुसार होता है, जबकि मिथ्या दृष्टि मनमर्जी करते हुए घर परिवार समाज एवं धर्म क्षेत्र में अपने मन के अनुसार आचरण करता है ।वह जैन होकर भी जैनत्व के संस्कारों से विहीन होता है। आज मनुष्य के जीवन में जितनी भी बुराइयां हैं वह सब मिथ्यात्व के कारण हो रही हैं। आचार्य श्री ने आगे कहा कि देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धान रखो। भगवान व्यापारी नहीं है जब भी मंदिर में उनके दर्शन को जाओ तो उनसे कुछ मांगों मत मांगना ही है तो आशीर्वाद मांगते हुए यह भावना भाओ कि हे प्रभु आप तो केवल ज्ञानी और

सिद्ध स्वरूपीं मुक्ति पथ के नेता हैं मैं आपके चरणों में इसलिए आया हूं कि आप मेरा मुझसे मिलन करा दें ताकि आपका स्मरण करते हुए और जिनवाणी सुनते हुए मेरी समाधि निर्विघ्न हो जाए। धर्म सभा में मुनि श्री विजयेशसागर जी महाराज ने कहा कि जिन भगवान महावीर के शासन में हम सब विराजमान हैं उन्होंने सबसे पहले अहिंसा के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। अहिंसा जैन धर्म की आधारशिला है। जैन महावीर के वंशज कहलाते हैं सच्चा जैन श्रावक वह है जो श्रावक के लिए आवश्यक अष्ट मूल गुणों का पालन करता है, पानी छानकर पीता है रात्रि मैं भोजन नहीं करता और व्यापार-व्यवसाय एवं अपने दैनिक जीवन, व्यवहार ,खानपान मैं अहिंसा धर्म का पालन करता है। प्रारंभ में मंगलाचरण पंडित रमेश चंद बांझल ने किया। दीप प्रज्वलन योगेन्द्र काला राजेंद्र सोनी, रमेशचंद जैन एमपीईबी निर्मल अग्रवाल एवं श्रीमती सोनाली बागड़िया ने किया। आचार्य श्री को श्रीफल समर्पित कर श्री रितेश पाटनी, डी एल जैन राजेश जैन दद्दू पूर्व पार्षद पवन जैन और श्रीमती मुक्ता जैन से आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्म सभा का संचालन श्री कमल काला ने किया।

भारत की वसुंधरा धर्म गुरुओं के आधार पर ही जयवन्त रही है
और
इसी वसुंधरा पर दिगम्बर मुनि कामकुमार नंदी जी महाराज की
निर्मम हत्या हो जाना यह शर्मनाक कृत्य है।
पूरा भारत वर्ष का शासन-प्रशासन मौन धारण करके बैठा है।
दुःखी
निःशब्द
स्तब्ध
हैं
जैन प्रतिष्ठान बंद
शिक्षण संस्थाएँ बंद
राजकीय कर्मचारियों का कार्यबंद
सकल जैन समाज
अपने-अपने व्यवसायिक कार्यों
को छोड़कर सामूहिक रुप से
आप और हम परिवार के साथ
सम्मिलित होंगे
20 जुलाई 2023
प्रातः 9.30 बजे
स्थान : भट्टारक जी नसियाँ,
नारायण सिंह सर्किल,जयपुर
संत हमारी आस्था,
श्रद्धा और संस्कृति
के जीवन्त प्रतीक है
निवेदक.....
आप और हम
सकल जैन समाज, जयपुर
98290-50067 / 98290-13061 / 94140-16808 / 88290-21691 / 94140-24888 /
97850-74581/ 86969-01634/ 98290-51671 / 98290-60185 / 98292-21511

मुनियों से अभद्र व्यवहार स्वीकार नहीं

सकल जैन समाज की ओर से शहर में निकला विशाल मौन मोर्चा, समाज के सभी वर्गों ने साथ आकर दर्शाया विरोध

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

अहिंसा के मूल सिद्धांत को मानने वाले जैन समाज ने आज हिंसा के विरोध में अपना मौन लेकिन, कठोर रोष जताया, कर्नाटक में दिगंबर जैनाचार्य कामकुमारनंदीजी गुरुदेव की हत्या का विरोध दशर्ने सकल जैन समाज ने मूक मोर्चा निकाला। सुबह ग्यारह बजे पैठण गेट परिसर में सकल जैन समाज की ओर से आयोजित इस मोर्चे में सकल जैन समाज के लोगों के साथ ही सकल जैन साधु-संत भी एक मंच पर आए ।जैन मुनियों की सुरक्षा जैन धर्म की सुरक्षा', 'मुनियों से अभद्र व्यवहार जैन समाज नहीं करेगा स्वीकार' जैसे नारों के फलक हाथ में लेकर बड़ी संख्या में जिन अनुयायी रास्ते पर उतरे, जैन आचार्य की हत्या को लेकर हर एक के मन में क्रोध था। लेकिन मूक मोर्चे के दौरान संयम, शांति, अनुशासन के साथ बिना कुछ कहे समाजजनों ने सब कुछ कह दिया। पैठण गेट से निकला मूक मोर्चा गुलमंडी, मछली खड़क सिटी चौक, सराफा रोड मार्ग से शाहगंज स्थित गांधी प्रतिमा चौक पर पहुंचा दिगंबर जैनाचार्य कामकुमारनंदीजी गुरुदेव के गीत सभी ने सुने। इस दौरान साधु-संतों ने अपने विचार व्यक्त किए. हर समाजजन ने निषेध स्वरूप कमीज पर काला फीता लगा रखा था। मोर्चे में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। समाज के कार्याध्यक्ष सुभाष झांबड ने कहा कि अध्यक्ष का समय- समय पर यथोचित मार्गदर्शन मिलता है। बाद में पुलिस उपायुक्त दीपक गिरहे को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। उपप्रवर्तक सिद्धार्थमुनिजी मसा, हंसबोधि विजय महाराज, प्रेमहंस विजय महाराज, डॉ सुयोगऋषि मसा, मुनि अर्हतकुमारजी मसा के नेतृत्व में निकले मोर्चे में निर्मलकुमार कोठारी पंचरंगी ध्वज लेकर सबसे आगे चल रहे थे। मूक मोर्चा सिटी चौक में आया तो बोहरा समाज के लोगों ने उपप्रवर्तक सिद्धार्थमुनिजी मसा से भेंट की और मोर्चे को समर्थन दिया। शामिल हुई. विधायक प्रदीप जायस्वाल, सकल मारवाड़ी सभा के अध्यक्ष डॉ पुरुषोत्तम दरख, माहेश्वरी समाज के जगदीश बियानी, भाजपा के शिरीष बोरालकर, पूर्व महापौर बापू घड़ामोड़े, दिलीप थोरात, दयाराम बसैये ने पहुंच कर मोर्चे को समर्थन दिया। सकल जैन समाज के कोषाध्यक्ष जीएम बोथरा, उपाध्यक्ष ललित पाटनी, झुंबरलाल पगारिया, सुधीर साहूजी, अनिल कुमार संचेती, कौशिक सुराणा, दिगंबर क्षीरसागर, मीठालाल कांकरिया, माणिक गंगवाल,वर्धमान पांडे, विजय देसरडा, डॉ प्रकाश झांबड, तनसुख झांबड, चांदमल सुराणा, विलास साहूजी, संजय संचेती, विनोद बोकड़िया, वृषभ कासलीवाल, मुकेश साहूजी, नीलेश सावलकर, प्रकाश अजमेरा, मनोज बोरा, रवि लोटा, नीलेश पहाड़े, राहुल साहूजी, अंकुर साहूजी, महिला मंडल की भारती बागरेचा, मनीषा भंसाली, करुणा साहुजी, भावना सेठिया, मंगला पारख, मेघा सुगंधी, संगीता संचेती, स्वाति मल्हारा समेत महावीर पाटनी ने किया।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज सानिध्य में सल्लेखना पूर्वक समाधि मरण उपरांत आर्यिका 105 श्री सुभगमति माताजी की निकाली गई डोला यात्रा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अनेक साधुओं की जन्म भूमि ,दीक्षा भूमि, समाधि भूमि उदयपुर में आर्यिका 105 श्री सुभगमति माताजी का 19जुलाई को समता पूर्वक सल्लेखना के साथ समाधि मरण हुआ। विमान यात्रा डोला प्रातः निकाला गया। पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिघि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर महाराज से दीक्षित शिष्या 80 वर्षीय आर्यिका 105 श्री सुभगमति माताजी का दिनांक 19 जुलाई 2023 को प्रातः4.17बजे उदयपुर के सन्मति भवन राजस्थान मे समाधिमरण हुआ। शांतिलाल वेलावत, पारस चितौड़ा, सुरेश पद्मावत,देवेंद्र छाबिया ने बताया कि आज प्रातः क्षपकोत्तमा समाधिस्थ आर्यिका 105श्री सुभगमति माताजी की डोला विमान यात्रा वात्सल्य वारिघि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के संघ सानिध्य में निकाली गई।आर्यिका माताजी श्री के डोले के आगे कमंडल लेकर भूमि शुद्धि एवम माताजी के डोले को कंधे लगाने का सौभाग्य पुण्यार्जक परिवार को प्राप्त हुआ। समाधिस्थल परिसर में मंत्रोचार से शुद्धि की गई। आर्यिका श्री की पूजन शांतिधारा और पंचामृत अभिषेक गृहस्थ अवस्था के पुत्र द्वारा किया गया। राजेश पंचोलिया इंदौर ने बताया कि जोबनेर राजस्थान की 80 वर्षीय श्रीमती घीसीदेवी चंद्रकांत ठोलिया ने महावीर जी में 4 अगस्त 2022 को क्षुल्लिका दीक्षा वात्सल्य वारिघि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के सिद्ध हस्त कर कमलों से हुई नाम क्षुल्लिका 105 श्री शांतमति माताजी किया गया। 15 मई 2023 को उदयपुर में इनकी आर्यिका दीक्षा हुई। इन्हे आर्यिका 105श्री सुभगमति नाम से सुशोभित किया गया। 14जुलाई 2023 को आचार्य श्री एवं संघ के सभी साधुओं से क्षमा याचना कर चारो प्रकार के अन्न जल आदि का आजीवन त्याग किया। प्रतिदिन तन्मयता एकाग्रता पूर्वक गुरुजनों का सम्बोधन सुनना श्री जी के अभिषेक देखती थी। क्षपकोत्तमा माताजी जी को प्रतिदिन आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सहित संघ के साधु संबोधन करते रहे।

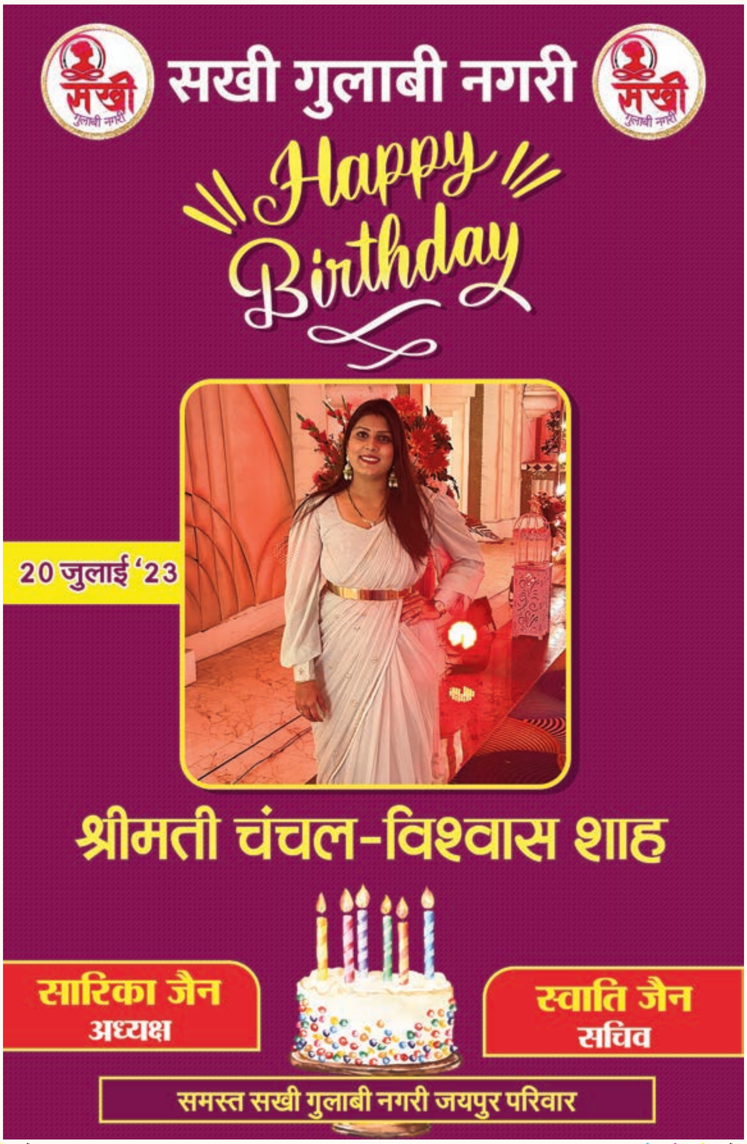

जैसवाल जैन अविवाहित परिचय पुस्तिका का होगा प्रकाशन

परिचय पुस्तिका प्रकाशन के पश्चात होगा परिचय सम्मेलन

मनोज नायक, शाबाश इंडिया

मुरेना। दिगंबर जैसवाल (उपरोचियां) जैन समाज के अविवाहित बच्चों की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन होने जा रहा है। अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक मुरेना द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैसवाल (उपरोचियां) जैन समाज के विवाह योग्य युवक -युवतियों की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। उक्त बहुरंगीन परिचय पुस्तिका में सजातीय विवाह योग्य बच्चों के लगभग 3000 परिचय सम्मिलित करने का लक्ष्य रखा गया हैं। जैसवाल जैन (उपरोचियां) समाज की सेवा भावी संस्था अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह द्वारा प्रकाशित होने जा रही परिचय पुस्तिका में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी युवक-युवतियों का सम्पूर्ण विवरण जैसे नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, जन्म समय, गोत्र, शिक्षा, व्यवसाय, पता, मोबाइल नंबर सहित अन्य सभी आवश्यक जानकारियां प्रकाशित की जाएगी। जिससे बच्चो के रिश्ते तय करने में समाज बंधुओ को काफी सहूलियत रहेगी और उन्हें जानकारी के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। परिचय पुस्तिका प्रकाशन एवम परिचय सम्मेलन के आयोजन संबंधी निर्णय समूह की सोनागिर बैठक में ही लिए जा चुके थे ।लेकिन जैसवाल जैन समाज के शीर्ष नेतृत्व की मोहर न लगपाने की वजह से इन कार्यों को मूर्तरूप नहीं दिया जा सका । आगरा में 13 अगस्त को समूह का राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है ।जिसमें अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के सम्माननीय परम संरक्षक गण प्रदीप कुमार जैन पीएनसी आगरा, महेंद्र जैन मधुवन दिल्ली, सी ए कमलेश जैन गुरुग्राम, सुदीप जैन मिड़ेला दिल्ली एवम संरक्षकगण सगुनचंद जैन उत्तम नगर दिल्ली, सुनील जैन ढिलवारी अजमेर, सुरेश जैन साउथ एक्स.दिल्ली, सुरेश जैन द्वारिका दिल्ली, मनोज जैन कोटा, महेशचंद बंगाली मुरेना की स्वीकृति मिलते ही इन दोनों योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।सर्वप्रथम परिचय पुस्तिका का प्रकाशन होगा, उसके एक-दो माह के पश्चात परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। समूह के संयोजक अजय जैन शिवपुरी, रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, रूपेश जैन दिल्ली, अनिल जैन बंधु मकराना ने अखिल भारतवर्षीय जैसवाल उपरोचियां समाज से अपील की है कि वे सभी अधिकाधिक संख्या में अपने शादी योग्य बच्चों के परिचय प्रस्तुत करें, ताकि उन सभी को परिचय पुस्तिका में प्रकाशित किया जा सके।

वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को बैग वितरण किये

सुजानगढ़

स्थानीय राजकीय महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय दुलियां में चिन्मय करिश्मा पाटनी की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर समाजसेवी कंवरीलाल काला की प्रेरणा से ललित कुमार अंजना देवी पाटनी नलबाड़ी(असम) के सौजन्य से जरूरतमंद छात्र छात्राओं को बैग वितरण का कार्यक्रम सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में रखा गया। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक युग में अधिकतर लोग जन्मदिन,शादी की सालगिरह,होटलों में पार्टी आदि करके मनाते हैं लेकिन पाटनी दंपति ने मानव सेवा को उत्तम कर्म मानकर अपनी मातृभूमि में जरूरतमंद छात्र छात्राओं की आवश्यक जरूरत को पूरी करके नेक मिशाल पेश की है।मरू देवी महिला मंडल की मंत्री श्रीमती मैना देवी पाटनी की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद के उपसभापति अमित मारोठिया ने कहा कि शिक्षा के आलोक में समाज का उत्थान संभव है इस सेवा प्रकल्प पर समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि समिति द्वारा करवाए जा रहे समाजसेवा के प्रकल्प अतुलनीय है। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी गौरव चौधरी ने समिति के सेवा कार्यों को अतुलनीय बताया चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें मेहनत करके देश व समाज का नाम रोशन करना चाहिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं एवं भामाशाह द्वारा दी गई सामग्री का सदुपयोग करना चाहिए।

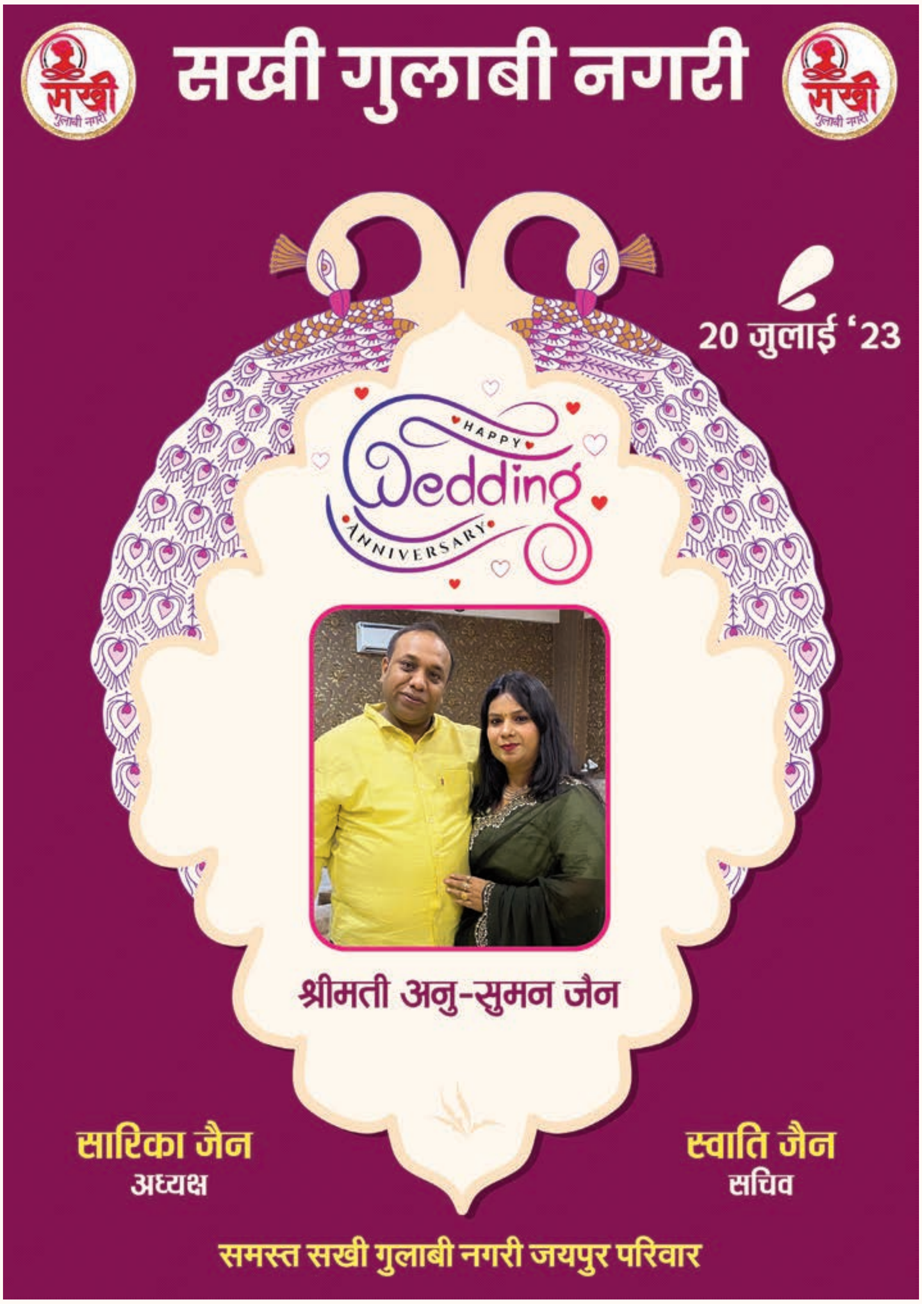

भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबीनार जूम मीटिंग आयोजित हुई। मुख्य अतिथि इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं जे.ए.एस. ऐकैडमी अहमदाबाद के निदेशक डा. नरेंद्र भंडारी के निर्देशन में अध्यक्षता सुप्रसिद्ध लेखिका डा.प्रभाकिरण जैन ने की जएएस की महासचिव डा.पूर्वी दवे के सहयोग से संयोजक शैलेंद्र कुमार जैन ने संचालन किया। इस मीटिंग का उद्देश्य भारतीय इतिहास पुरातात्व और कला के विकास में आदिकाल से जैन धर्म के योगदान पर चर्चा कर विगत वर्षों में हुए अनेक शोध कार्यों के आलोक में भारतीय सांस्कृति के विकास में जैन धर्म के योगदान को रेखांकित कर तथ्य परक रूप से नव मूल्यांकन करना और उसको राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नलो में प्रकाशित करना है , भारतीय इतिहास के निर्माण ने उसकी उपयोगिता और उपादेयता को प्रदर्शित तथा स्थापित करना। वरिष्ठ विद्वान डा.नरेंद्र जैन ने मंगलाचरण कर चर्चा का शुभारंभ किया, संबंधित विषय पर जयपुर से जुडे वरिष्ठ विद्वान डा. पी.सी.जैन ने कहा कि मैंने जैन दर्शन पर 250 से ज्यादा पी.एच.डी. कराई हैं और इसी विषय पर कई सरकार के सहयोग से कई प्रोजेक्ट पर काम किए हैं जिनको आप सब के साथ मिलकर और आगे बढाने के कार्य करेंगे और हर संभव मदद करेंगे।लखनऊ से डा.ब्रजेश रावत ने अपनी पुस्तक में सिन्धु सभ्यता और वैदिक उल्लेखों के माध्यम से किए शोध कार्य पर प्रकाश डाला, अनेक नग्न मूर्तियों का साम्य ऐतिहासिक कालीन मूर्तियो से किया जो भारत की योग वादी परंपरा की प्रतिनिधि हैं, भारत मे दो प्रकार की परंपरा है एक योग वादी दूसरी भोग वादी ।आगरा से जुडे डा.भानु प्रताप ने फतेहपुर सीकरी पर प्रकाशित पुस्तक मे यह बताया कि अकबर से 500 साल पहले यह क्षेत्र जैन धर्म का एक बडा केंद्र था तब से लेकर आज तक एक जैन नगर है वहीं पर,संवत 1010 की मिली देवी जैन सरस्वती की प्रतिमा देश की सुंदरतम प्रतिमा है, सैकरिक्य जैन आचार्यों की बस्ती कहलाती थी। इसी विषय को आगे बढाते हुए ए.एस.आई के पूर्व अधिकारी डा.मैनुअल जोसेफ ने बताया कि मैंने अनेक लेखों में यह कहा है कि सिन्धु घाटी मिली दिगम्बर मूर्तिया और प्रतीक चिह्न जैन परंपरा से अधिक साम्य रखते हैं, लोगों को जो दिख रहा है उसे कहने में संकोच नहीं करना चाहिए ।निर्मल जैन कहा कि महावीर, गौतमबुद्ध ,मौर्य साम्राज्य, खारवेल आदि से जुडी कई प्रमुख धटनाओं और तिथि निर्धारित करने के विषय पर और अधिक शोध होना चाहिए जिस पर मैं अभी और काम कर रहा हुं। इसी क्रम में डा.नरेंद्र जैन ने स्व. निर्मल सेठी के साथ कई देशों की यात्रा कर प्रमुख तथ्यो को संग्रहित कर एक पुस्तक प्रकाशित की है,जो एक सार्थक प्रयास है। आई.ए जे.एस. के डा.श्रीनेत्र पांडे ने कहा कि मूर्तियों में लांछन लगभग दो हजार साल से मिलते हैं पहले नहीं मिलते तो दिगम्बर मूर्तियां जो मिलती हैं उनको और क्या चिह्न प्रतीक हो जिनके आधार से उसे जिन प्रतिमा सिद्ध किया जाए उनपर शोध हो।सभी विद्वानो को सुनने के बाद डा.नरेंद्र भण्डारी ने कहा कि आप सभी ने बहुत अच्छे अपने विषयों को रेखांकित किया और सभी का प्रयास सराहनीय है।काम भी काफी हुआ है अब हमें आगे क्या करना है उस पर विचार विमर्श कर एक कार्य योजना तैयार कर उसको शुरू करना और उसे निरंतर करते रहने के लिए सबके सहयोग से सार्थक प्रयास करना चाहिए। अंत में अध्यक्षीय वक्तव्य में डा.प्रभाकिरण जैन ने कहा निसंदेह आप सभी का इतिहास पुरातात्व मे महत्वपूर्ण योगदान है परन्तु इन सब का प्रचार-प्रसार बहुत कम है क्योकि मैं स्वयं लेखक हूं तो यह जानती हुं कि ऐतिहासिक पुस्तके अपने सीमित पाठको तक ही पहुंच पातीं है।आज के दौर के अनुसार हम आगे डाकूमेन्ट्री वीडियोज बनाएं और सोशल मीडिया में प्रचार-प्रसार करें जो इस दौर की आवश्यकता है।उन शोध पत्रों का संग्रह कर विशेषांक के रुप मे भी प्रकाशित करना चाहिए। अंत में कार्यक्रम संयोजक, अध्यक्ष श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट शैलेंद्र जैन ने सभी का आभार प्रकट किया। श्री सुगल चंद, डा.नीलम जैन, डा.नवनीत जैन, डा.द्रष्टि राठी, यू.के.जैन आदि ने जुड़कर वेबीनार को सफल बनाया।

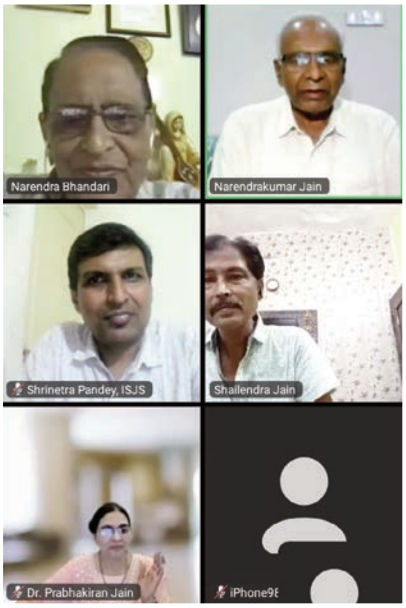

> आज के दौर के अनुसार हम आगे डाकूमेन्ट्री वीडियोज बनाएं और सोशल मीडिया में प्रचार-प्रसार करें जो इस दौर की आवश्यकता है। उन शोध पत्रों का संग्रह कर विशेषांक के रुप मे भी प्रकाशित करना चाहिए...

विश्व जैन संगठन जयपुर राजस्थान शाखा का हुआ गठन

बाबू लाल जैन ईटून्दा बने जयपुर राजस्थान अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा स्थित श्री चन्द्र प्रभ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित विश्व जैन संगठन जयपुर के सदस्यों कि मीटिंग में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन की अनुशंसा पर चुनाव अधिकारी दीपेश जैन के निर्देशन में विश्व जैन संगठन जयपुर राजस्थान शाखा का गठन हुआ एवं निम्न पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। दीपेश जैन के अनुसार अध्यक्ष पद पर बाबू लाल जैन ईटून्दा, महामंत्री पद पर आशीष जैन पाटनी, उपाध्यक्ष पद पर नवनीत जैन सोगाणी और रवि जैन का चयन हुआ। वही मंत्री पद पर अंकुश जैन व विकास जैन, कोषाध्यक्ष पद पर राखी जैन, मीडिया प्रभारी अमन जैन कोटखावदा, सोशल मीडिया प्रभारी अंकुर जैन, संगठन मंत्री प्रमोद बाकलीवाल एवम विधि प्रकोष्ठ प्रभारी अभिषेक जैन सांघी को बनाया गया। इस अवसर पर कार्यकारणी सदस्य के रूप में दीपेश जैन,प्रदीप जैन, अशोक जैन, कमलेश जैन, अनुज जैन, पारस जैन, संजय जैन का चयन किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

हरि पर्वत आगरा में चल रही है प्रतिदिन धर्म सभा

मन के अनुशासन से हमारा भविष्य उज्जवल बनता है: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

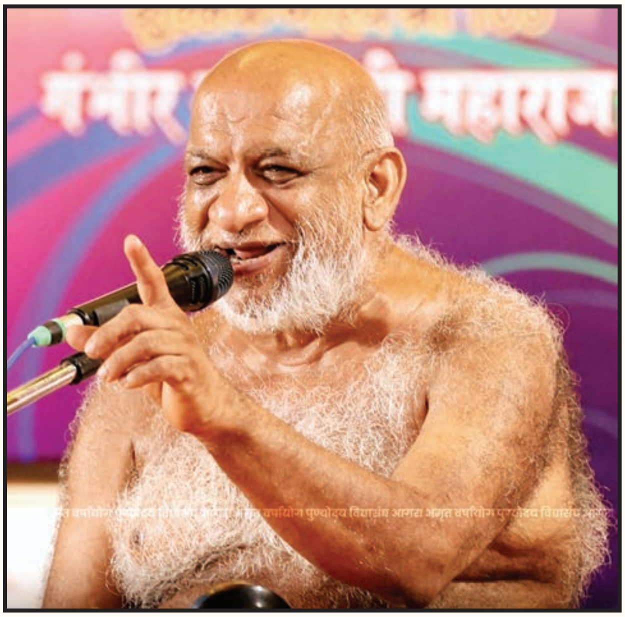

आगरा. शाबाश इंडिया

मन के अनुशासन से हमारा भविष्य उज्जवल बनता है कोई हमारा समाने आता है उससे द्दष्टी से मिल जाती है वह मंदिर के लिए जा रहा है शुभ कार्य के लिए जा रहे हैं उसका काम होगा कि नही ये पहले समय में पहली दुष्टी में छोटे से समय में आपको आभास हो जाएगा कि कार्य सफल होगा या नहीं ये आपको पता चल जायेगा उक्त आश्य के उद्गार हरिपर्वत आगरा में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

उपधान करने से कार्य सफल होता है...

उन्होंने कहा कि अंत मता सो गता एक छोटा सा भी त्याग करने का मन वन रहा है कोई भी नियम लेने का मन वन रहा है तो समझ लेना कि इसकी अच्छी होने वाली है कऊआ का मांस त्याग करने वाला भी स्वर्ग चला जाता है इसलिए नियम कोई भी हो उसे छोटा ना माने आप लोग उपधान लिया करों हम तो यूं अचानक विहार करते नहीं है हमारे साथ तो बहुत सी भीड़ रहती आप लोगों को जरूर एक एक उपधान लेना चाहिए चाहे वह छोटा सा ही क्यों ना हो उपधान करके हर कोई कार्य करना चाहिये चाहे हम कोई कार्य करे,स्वाध्याय करें मंदिर बनते है तो उपधान करने से छ महिने मे विधा सिद्ध होने वाले आठ दिन के सिद्ध हो जाती है

नीतिज्ञ को अपनी नीति याद रहे ये महत्वपूर्ण है...

उन्होंने कहा कि आप जो शब्द वोलते है इनको भी पहचाना जा सकता है इनकी गंद स्वाद होता है एक एक अक्षर स्वर व व्यंजन का स्वाद,गंध आदि सब होती है हम उसका जाप करते करते हम उस अक्षर का रस,गंध सभी पता कर सकते हैं साधक गण ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की भी आचार संहिता होना चाहिए रावण की आचार संहिता में लिखा था अष्टाहिंका पर्व में युद्ध नही होगा कोई भी शस्त्र नही उठायेगा जबकि लंका में भीषण युद्ध चल रहा था त्राहि त्राहि की स्थिति थी तव मयार्दा पुरुषोत्तम श्री रामचंद जी ने कहा रावण एक बड़ा नीतिज्ञ हैं युद्ध के माध्यम में भी उसे अष्टानिका पर्व में किस तरह रहना है इस नीति का ज्ञान है ऐसा काम को नीतिज्ञ ही कर सकता है हम आंख को बंद नही कर पाते कि आंख देखना बंद कर, हम आसमान के क्षितिज पर उठना चाहते है हम सुबह उठकर सोचते है आज दिन भर शांत रहेगें लेकिन शाम तक क्रोध में पाये जाते हैं।

झुग्गी बस्तियों से अंतरराष्ट्रीय मुयथाई के मैदान में कदम रख रही बालिकाएँ

जयपुर

विमुक्ति संस्था द्वारा आज अशोक क्लब में एक जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें विमुक्ति गर्ल्स स्कूल की दो छात्राएँ- मनीषा पेम और मुस्कान वर्मा का 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक तुर्की में होने वाले विश्व मुयथाई चैम्पियनशिप में चयनित होने की घोषणा की गई ।संस्थान के चेयरपर्सन शैलेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि विमुक्ति गर्ल्स स्कूल की 11 छात्राओं ने यूनाइटेड मुयथाई एसोसिएशन भारत द्वारा चैन्नई में आयोजित राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में (25 मई से 30 मई) तक राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें मनीषा पेम और मुस्कान वर्मा ने स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करके विद्यालय व राज्य को गौरवान्वित किया। दोनों छात्राओं को विश्व मुयथाई चैपियनशिप 2023 में नामांकित किया गया। जो अंतरराष्ट्रीय मुयथाई IFMA International Federation of Muaythai Associations द्वारा आयोजित की जाएगी ।मुयथाई को बॉक्सिंग के रूप में जाना जाता है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने 2021 में टोक्यो में हुई बैठक में मुयथाईऔर (IFMA) को पूर्णतः मान्यता प्रदान की है जिससे इस खेल को ओलंपिक खेलों में स्वीकृत किया जाए। विमुक्ति संस्थान की फाउंडर सेकेट्री लवलीना सोगानी ने बताया कि विश्व मुयथाई चैंपियनशिप को दोनों छात्राओं का समर्थन करने लिए विमुक्ति संस्था धन एकत्रित करने के लिए प्रयासरत है। NGO फीडिंग हैंड्स ने इन दोनों बालिकाओं के लिए समुचित पोषक आहार की व्यवस्था की है जिससे वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य व देश को गौरवान्वित करने में सक्षम हो । संस्थान की करियर डवलपमेंट प्रोग्राम व प्रोजेक्ट की हेड ईशा स्वरुप ने बताया कि (यु. एस. ए.) एजु - गर्ल्स के सहयोग से जयपुर की शहरी झुग्गी बस्तियों में रहने वाली बालिकाओं को विमुक्ति संस्था जो जयपुर में स्थित गैर लाभकारी संस्था है। इन बालिकाओं को उच्च गुणवत्ता वाली मुफ्त शिक्षा व करियर विकास के अवसर प्रदान करके उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम व स्वावलंबी बनाने का उद्देश्य लेकर सतत प्रयासरत है। इसकी प्रमुख परियोजना 'उड़ान' के तहत विद्यालय की 50 छात्राएँ मुयथाई का प्रशिक्षण श्रीराम मार्शल आर्ट्स अकादमी से प्राप्त कर रही हैं ।नरेश ठकराल आई ए एस स्पोर्ट्स सेकेट्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि लड़कियां खेलों के माध्यम से इतना नाम कर रही है विमुक्ति की लड़कियों के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास करेगी

एंबीशन किड्स एकेडमी में रेन डांस पार्टी सेलिब्रेट की गयी

छम छम से गूंजा एंबीशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एंबीशन किड्स एकेडमी में छम छम रेन डांस पार्टी सेलिब्रेट की गयी । इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बालक - बालिकाओं ने सावन का आगाज करते हुए अंब्रेला रेन डांस पार्टी को खूब एंजॉय किया । नन्हे-मुन्नों ने विभिन्न फिल्मी गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया । बच्चो की खुशी का ठिकाना उनके चेहरे से साफ झलक रहा था । इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न गेम्स भी आयोजित किए गए। संस्था की प्राचार्य डॉ अलका जैन ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजन का उद्देश्य बच्चों का प्रकृति से जुडाव करना है तथा इससे उनमें आपस में सामन्जस्य की भावना का विकास भी होता है। सह प्राचार्य अनीता जैन ने बताया कि प्रताप नगर श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी पूर्णतया वातानुकूलित अंग्रेजी माध्यम विद्यालय है , जहां बच्चों की आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ समग्र व्यक्तित्व निखारने पर विशेष ध्यान दिया जाता है । इसमें लर्निंग विद प्ले का कांसेप्ट व्यवहारिक रूप से अपनाया गया है । इस हेतु बच्चों के लिए अनूठे किड्स जोन की स्थापना भी की गई है , जो बालकों का समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक है । इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ.एम. एल. जैन मणि ने स्टॉफ कोर्डिनेशन तथा एफर्डस् की सराहना की एवं एम्बीशन किड्स को आशीर्वाद प्रदान किया । अंततः एंबीशन एकेडमी निदेशक डॉ मनीष जैन ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की ।

रिश्तों को कायम रखने हेतु प्रेम की आवश्यकता : गुरू मां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी जिला टोंक. शाबाश इंडिया

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 29 वां साधनामय चातुर्मास 2023 श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के गुन्सी जिला टोंक राजस्थान में चल रहा है । आज गुरु माँ के दर्शनाथ गुरु भक्त श्रावक श्रेष्ठी प्रेमचंद जी बड़जात्या जयपुर से पधारे। गुरु मां की आहारचर्या एवं वात्सल्य पूर्ण आशीर्वाद पाकर अपने आपको धन्य किया। गुरु मां के ससंघ पावन सान्निध्य में शांतिनाथ विधान का आयोजन रचाया गया । दूर-दूर से पधारे हुए दर्शनार्थियों ने धर्मलाभ लेकर पुण्यार्जन किया। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य इंदु जी सेवा वाले जयपुर , सुरेश जी कासलीवाल कोटा, कमलादेवी चनानी वाले जयपुर एवं राजकुमार किशनगढ़ वालों ने प्राप्त किया। माताजी ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहा कि - एक मच्छर मच्छर को नहीं काटता लेकिन इंसान इंसान को काट रहा है। आज पशु की पशुता कायम है लेकिन मानव की मानवता खत्म होती जा रही है । आज घरों में दीवालें तो बड़ी-बन गई लेकिन मानव के दिल छोटे हो गए इसलिए प्रत्येक घरों में लड़ाई - झगड़े चल रहे हैं। भाई - भाई, पिता - पुत्र, सास - बहू आदि घर में प्रेम से नहीं रह पा रहे हैं। जिस प्रकार बिना धागे से चलती मशीन कपड़ा नहीं सिल सकती उसी प्रकार जीवन में प्रेम रूपी धागे के बिना रिश्ते नहीं चल सकते। अतः अपने जीवन में सभी से प्रेम पूर्वक व्यवहार करें। आपस में एकता बनाये रखें । इसी से देश राष्ट्र , परिवार व धर्म का उत्थान होगा।

भागवत कथा के शुभारंभ पर निकली पोथीयात्रा

फूल व कली का बंगला की झांकी सजाई गई

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल,जयपुर के बैन तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीष स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्षन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत बुधवार को आनंदबाड़ी से श्रीगोवर्धननाथ मंदिर तक पोथीयात्रा निकाली गई। जयकारों के साथ निकली इस पोथीयात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। संयोजक नटवर गोपाल मालपानी ने बताया कि आज सुबह बैडबाजों के साथ निकली इस पोथीयात्रा में श्रद्धालु सिर पर पोथी लेकर चल रहे चले रहे थे,वहीं बैंडवादकों की मधुर स्वर लहरियों पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर नाच रहे थे। मोहनवाड़ी स्थित आनंदवाड़ी से यह पोथीयात्रा शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई कार्यक्रम स्थल श्रीगोवर्धन नाथ मंदिर पहुंची, जहां पर वाणारसी, मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल, सिरोंजी, जयपुर,बड़ौदा,जयपुर व सूरत से आए 131 विद्वानों ने श्रीमद भागवत के मूलपाठ किए। इसीदिन दोपहर में बड़ोदरा निवासी श्रीगिरिराज शास्त्री ने व्यास पाठ से कहा कि भागवत कथा सुखों की जननी है,जिसके श्रवण मात्र से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है। भागवत कथा की प्रत्येक पंक्तियां श्रवण करने से जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव होता है। उन्होंने आगे कहा कि जिस घर में श्रीमद भागवत के नियमित पाठ होते हैं,वह घर स्वर्ग के सामान माना जाता है। इसी दिन शाम को फूल व कली की मनोरम झांकी सजाई गई,जो सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम संयोजक नटवर गोपाल मालपानी व कोषाध्यक्ष गोरधनदास भगत ने बताया कि महोत्सव के तहत नौका विहार जल केली की मनोरथ की रोचक झांकी सजाई जाएगी। 28 जुलाई तक रोजाना सुबह 6 से 1 बजे तक सस्वर मूलपाठ व कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक होगी। महोत्सव के तहत 30 जुलाई को 56 भोग,31 जुलाई को मोती महल व मोती के महल का मनोरथ की झांकी सजाई जाएगी। समापन 1 अगस्त को कमल तलाई में छतरी का मनोरथ झांकी से होगा।

अमरनाथ यात्रा कर सकुशल जयपुर लौटे 150 श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। अमरनाथ यात्रा करने 6 जुलाई को जयपुर से गया 150 यात्रियों का जत्था आज जयपुर लौटा। जय भोले बाबा बर्फानी समिति के बैनर तले गए दल का आज सकुशल लौटने पर भव्य स्वागत किया। जय भोले बाबा बर्फानी सेवा समिति के संयोजक जितेंद्र अजमेरा ने बताया कि बस से अमरनाथ यात्रा के लिए गए इस दल को मोती डूगरी गणेश मंदिर से सांसद रामचरण बोहरा विधायक कालीचरण सराफ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इसके बाद यह दल सालासर बालाजी धाम, अमृतसर स्वर्ण मंदिर ,अटारी बॉर्डर, माता वैष्णो देवी के धाम, शिवखोड़ी मंदिर होते हुए बाबा बर्फानी के यहां पहुंचा,जहां सभी 150 श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की बजह से यात्रा 2 दिन लेट रही लेकिन भोले बाबा की कृपा से सभी श्रद्धालु सह कुशल जयपुर दर्शन कर लौट आए। जयपुर पहुंचने पर सभी डेढ़ सौ श्रद्धालुओं का समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया गया। यात्रियों ने बाबा अमरनाथ की सफल यात्रा कराने पर समिति के पदाधिकारियों का आभार जताया।

ज्ञानतीर्थ में पल्लिवाल जैन महिला मंडल ने किया वृक्षारोपण

महिला मंडल ने दिया पर्यावरण संतुलन का संदेश

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में पालीवाल महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। अखिल भारतीय पल्लीवाल महिला मंडल की सभी महिलाओं ने ए बी रोड हाइवे पर स्थित श्री दिगम्बर जैन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर पहुचकर श्री जिनेन्द्र प्रभु की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के पश्चात क्षेत्र पर चतुर्मासरत आचार्य श्री ग्येयसागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर के विशाल प्रांगण में विभिन्न प्रकार के औषधीय, फलदार एवम छाया प्रदान करने वाले वृक्षों का वृक्षारोपण किया । वृक्षारोपण का कार्यक्रम क्षेत्र पर विराजमान अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी के मार्गदर्शन में किया गया । सभी महिलाओं ने अच्छे तरीके से जमीन में गड्ढा खोदकर पौधे को स्थापित कर, गड्ढे में खाद पानी की पूर्ति की। महिलाओं ने अनेकों पौधे लगाए।

धरती का आवरण बचाएं आओ पर्यावरण बचाएं,
हरे भरे पौधों को लगाकर, पृथ्वी को दुल्हन सा सजाए।

महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती करुणा जैन ने कहाकि ''वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा'' अर्थात पेड़ों की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है ।प्रकृति को और अधिक सुंदर बनाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए एवं उनकी सुरक्षा भी करना चाहिए। धरती पर एक पेड़ तो अपलोड करके देखिये, बादलों के सैंकड़ों झुंड आएंगे लाइक करने के लिए। इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इसमें प्रमुख रुपसे अध्यक्षा करुणा जैन, शशी जैन, सरिता जैन, शोभा जैन, कल्पना जैन, शशिबाला जैन, वज्रलता जैन, बबीता जैन, राजकुमारी जैन, बीना जैन, बबिता रानी जैन, बंधन जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं। वृक्षारोपण द्वारा हमारा सबको यही संदेश है।

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ,
इस दुनिया को सुंदर बनाओ...

आचार्य कामकुमारनन्दी की निर्मम हत्या जैन धर्म पर कुठाराघात

जयपुर

कर्नाटक में 5 जुलाई 2023 को आचार्य काम कुमार नन्दी की निर्मम हत्या वास्तव में जैन धर्म पर कुठाराघात है। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत् परिषद् इस कायरता पूर्ण निर्मम हत्या पर गहरा शोक एवं आक्रोश व्यक्त करती है। एक अहिंसक जैन मुनि को इस बर्बरतापूर्ण तरीके से मारना साधारण घटना नहीं है। जैन तीर्थक्षेत्रों /मन्दिरों पर आक्रमण/कब्जा, जैन मंदिरों में निरन्तर हो रही चोरियां, तीर्थो के विकास को रोकना आदि दुर्भाग्यपूर्ण कार्य राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे हैं, मुनि हत्या कहीं इसका हिस्सा तो नहीं है? -इसकी सघन जांच कराई जावे। एवं संवेदनशील जैन तीर्थो/ मन्दिरों एवं विहार के समय मुनि सुरक्षा प्रशासन द्वारा की जावे तथा जैन आयोग गठन- की मांग केन्द्र एवं राज्य सरकारों से करती है। 20 जुलाई 2023 को भारत/ राजस्थान बन्द का समर्थन करती है एवं समस्त जैन समाज एवं समस्त भारतीय अहिंसक समाज से अपील करती है कि वे इस महाशोक एवं विरोध सम्मिलित हों। शोकाकुल -प्रो. वीरसागर जैन दिल्ली, अध्यक्ष डॉ. अखिल बंसल जयपुर महामंत्री पण्डित पीयूष जैन जयपुर कोषाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन जयपुर संगठन मंत्री

आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी महाराज की निर्मम हत्या पर आक्रोश, सर्वसमाज द्वारा ललितपुर बंद आज

सन्त समाज की धरोहर जिनकी सुरक्षा संरक्षण का नैतिक दायित्व: विनम्रसागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

संत समाज की धरोहर है जिनकी सुरक्षा संरक्षण का दायित्व समाज का है।साधू समाज के लिए जीवन जीता है ।साधू सन्मार्ग पर लाने की शिक्षा देते हैं और दूसरो के जीवन को सुधारने के लिए सदउपदेश देते हैं। कर्नाटक में हाल ही में जैन संत की निर्मम हत्या भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात है।ऐसी घटना किसी साधू के प्रति कभी सुनने में नहीं आई। संत न होते समाज में तो क्या दशा होती। आचार्य श्री विनम्रसागर महाराज ने उक्त विचार जैन अटामंदिर में पत्रकारों के बीच कहे। आचार्यश्री ने कहा उक्त घटना को लेकर भारत बंद का आव्हान जो किया गया है उसके लिए सभी को एकजुट होकर पूर्ण करना होगा जिससे हमारी संस्कृति सुरक्षित रह सके।इस मौके पर दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने 20 जुलाई को भारत बंद के आव्हान पर ललितपुर बंद की जानकारी देते हुए बताया कि ललितपुर जनपद के सभी ग्रामीण अंचलों में भी सर्वसमाज के सहयोग से यह आयोजन किया गया है। उन्होने बताया कि देश की पहचान उसकी पुरातन संस्कृति और संत मुनियों के आधार पर मानी जाती है कर्नाटक में जैन आचार्य काम कुमार नंदी महाराज की नृसंश हत्याकाण्ड की सीवीआई जांच और दोषियों को कडी से कडी सजा दी जाए।साथ ही पैदल विहार के समय संतों की पूर्ण सुरक्षा की जाए। जैन पंचायत के आव्हान पर महाबंद के लिए उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के चैयरमेन महेन्द्र जैन मयूर, जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष महेश जैन मोनू, व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष सुरेश बडैरा, महामंत्री शैलेन्द्र सिंघई, संयुक्त महामंत्री प्रदीप सतरवांस, युवा जिलाध्यक्ष अंकुर जैन शानू बाबा, महामंत्री अज्जू बाबा, नरेन्द्र कडकंी अध्यक्ष जिला व्यापार मण्डल, विश्व हिन्दू परिषद के सह प्रान्तीय मंत्री रामगोपाल नामदेव, शुभम कौशिक सह प्रान्त संयोजक बजरंगदल, संजय जैन, विश्व हिन्दू महासंघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष पवन जैन, प्रान्तीय मंत्री अक्षय अलया, उत्तर प्रदेश तीर्थक्षेत्र कमेटी के मंत्री डॉ सुनील संचय, पार्षद गिरीश पाठक सोनू, वीर व्यायामशाला अध्यक्ष स्वदेश गोयल, मंत्री वैभव सिंघई, वीर सेवा संघ के प्रदीप जैन चिगलौआ, अनंत सराफ के अतिरिक्त संजय रसिया, विजय जैन सिंघई, जैन पंचायत महामंत्री डा. अक्षय टडैया, आनंद जैन, मनोज जैन, राजेन्द्र जैन, प्रमोद जैन, संजीव जैन, प्रवीण जैन, संजीव सौरया, सुवोध जैन मडावरा, दिलीप जैन ने समर्थन किया और सायंकाल जनसम्पर्क किया।

ग्रामीण अंचलों में भी महाबंद को लेकर बनी एकजुटता

जैन संत की हत्या को लेकर 20 जुलाई को महाबंद के लिए महरौनी में आमोद चौधरी, मडावरा में राजेन्द्र जैन, जखौरा में अजय जैन, पाली में जयकुमार जैन, तालवेहट में अजय जैन, जाखलौन में जगदीश प्रसाद जैन, बानपुर में महेन्द्र नायक, सैदपुर में अशोक जैन, विरधा में राजकुमार सिंघई, बार में संजीव जैन, सौरई में डा.चन्द्रभान जैन, नाराहट में श्रवण सतभैया, कारीटोरन में श्रेयांस जैन, बांसी में सुरेश जैन के नेतृत्व में समाज के लोग सभी समाज एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से सफलता हेतु जुटे हुए हैं।